बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | इन्द्रजीत सिंह, मुख्य संवाददाता/सचिव, CNSI-Delhi

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 24 ● अंक: 37 ● नई दिल्ली ● शनिवार 15 नवम्बर 2025 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 4

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन
बी-2/370, सुल्तानपुरी
दिल्ली-86

हार के लिए कांग्रेस नहीं आरजेडी जिम्मेदार! बिहार के नतीजों पर शशि थरूर का चौंकाने वाला बयान, अपनी पार्टी को भी दी नसीहत

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने शुक्रवार को बिहार चुनाव परिणाम को गंभीर रूप से निराशाजनक बताया और कहा कि इस परिणाम पर बहुत गंभीर आत्मनिरीक्षण की आवश्यकता है। बिहार चुनाव नतीजों में नीतीश कुमार की एनडीए को भारी समर्थन मिला, जिसने 198 सीटें हासिल कीं, जबकि महागठबंधन को 39 सीटें मिलीं। भाजपा 89 सीटों के साथ राज्य में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। तिरुवनंतपुरम में पत्रकारों से चुनावी नतीजों पर बात करते हुए थरूर ने कहा कि यह बिल्कुल साफ है कि एनडीए को भारी बहुत मिल रही है। यह वाकई बेहद निराशाजनक है, और अगर यही अंतिम नतीजे निकलते हैं.

सरकार के पास प्रत्येक मुद्दे से निपटने के लिए स्पष्ट नीति है : मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि शहर की समस्याओं के समाधान में समय लग सकता है, लेकिन सरकार के पास प्रत्येक मुद्दे को हल करने के लिए स्पष्ट नीति और दृढ़ इरादा है। वह तेहखंड बस डिपो में स्वचालित परीक्षण स्टेशन के शिलान्यास समारोह में बोल रही थीं। गुप्ता ने कहा, ''सरकार प्रदूषण की समस्या के समाधान के लिए काम कर रही है। हम इलेक्ट्रिक बसों को हरी झंडी दिखा रहे हैं और इस परीक्षण केंद्र की आधारशिला रख रहे हैं। हम झुलझुली और बुराड़ी परीक्षण इकाइयों की क्षमता बढ़ा रहे हैं। नंद नगरी में भी एक परीक्षण केंद्र बनाया जा रहा है। विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने उन पर ढेरों समस्याएं छोड़कर जाने का आरोप लगाया। गुप्ता ने कहा, ''वे हमसे प्रदूषण पर सवाल पूछते हैं। दिल्ली में 15 साल और 11 साल तक चलने वाली सरकारें कहां हैं? पिछली सरकार ने अपने कार्यकाल में 2,000 बसें खरीदीं, जबकि भाजपा सरकार ने सिर्फ आठ महीनों में दिल्ली में 1,350 इलेक्ट्रिक बसें ला दी हैं। बहरहाल, उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार कूड़े के पहाड़ों से लेकर यमुना के पुनरुद्धार तक सभी मोर्चों पर काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''दिल्ली की समस्याओं के समाधान में कुछ समय लग सकता है, लेकिन दिल्ली की समस्याओं को हल करने के लिए सरकार की नीति और नीयत स्पष्ट है। इस बीच, गुप्ता ने शुक्रवार को तेहखंड और तुगलकाबाद क्षेत्रों का दौरा कर वहां स्वच्छता अभियान की समीक्षा भी की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे सुनिश्चित करें कि कचरा प्रबंधन निर्धारित समय सीमा के भीतर किया जाए। उन्होंने 'एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि दिल्ली सरकार प्रदूषण से निपटने और स्वच्छता बनाए रखने के लिए युद्धस्तर पर काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''आज मैंने दिल्ली में चल रहे व्यापक स्वच्छता अभियान की समीक्षा के लिए तेहखंड और तुगलकाबाद क्षेत्रों का दौरा किया। मैंने प्रस्तावित कचरा संग्रहण स्थलों और स्थायी कम्पैक्टर स्थलों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि कूड़ा प्रबंधन पूरी मुस्तैदी और समयबद्ध तरीके से किया जाए।

नेहरू के योगदान को नकारने और बदनाम करने की कोशिश कर रहे हैं प्रधानमंत्री : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की जयंती पर शुक्रवार को उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा नेहरू के योगदान को नकारने और बदनाम करने की कोशिश की जा रही है। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और कई अन्य नेताओं ने शांति वन पहुंचकर नेहरू की समाधि पर पुष्प अर्पित किए। खरगे ने 'एक्स पर पोस्ट किया, भारत को आजादी से लेकर एक मजबूत, आधुनिक और प्रगतिशील राष्ट्र की नींव रखने में असाधारण योगदान देने वाले देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू जी को उनकी जयंती पर विनम्र नमन।

उनके विचार, मूल्य और दूरदृष्टि आज भी हम सभी के लिए निरंतर प्रेरणा हैं। उन्होंने कहा कि आधुनिक भारत के जनक, संस्थानों के निर्माता 'हिन्द के जवाहर के लोकतांत्रिक, समावेशी, निडर और प्रगतिशील भारत का सपना हर भारतीय जी रहा है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 'एक्स पर पोस्ट किया, भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपने दूरदर्शी और निडर नेतृत्व से स्वतंत्र भारत में संवैधानिक और लोकतांत्रिक मूल्यों की नींव रखी और देश को एक नई दिशा प्रदान की। उन्होंने कहा, उनके आदर्श और मूल्य आज भी हमारे लिए प्रेरणास्रोत हैं। हिंद के जवाहर को जयंती पर सादर नमन।

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स पर पोस्ट किया, आज उस व्यक्ति की 136वीं जयंती है जिसकी गूंज अब भी पूरी दुनिया में सुनाई देती है, लेकिन आधुनिक भारत के निर्माण में उनके अमूल्य योगदान को प्रधानमंत्री और उनकी टोली द्वारा नकारने, बदनाम करने, विकृत करने और नीचा दिखाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि जवाहरलाल नेहरू की विरासत और उनकी उपलब्धियों पर किए जा रहे हमले के बावजूद उन्हें मिटाया नहीं जा सकता। रमेश ने कहा, जो लोग 20वीं सदी के हमारे इतिहास से उन्हें मिटाने पर तुले हुए हैं, वे दरअसल अपनी ही गहरी असुरक्षाओं और हीनभावना को प्रकट कर रहे हैं।

नेहरू का जन्म 1889 में उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद (अब प्रयागराज) में हुआ था। वह देश के स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी चेहरों में से एक थे और आजाद भारत के पहले प्रधानमंत्री थे। नेहरू ने 27 मई 1964 को अंतिम सांस ली।

दिल्ली सरकार का बड़ा फैसला, अब सतर्कता निदेशालय में काम कर सकेंगे रिटायर्ड अधिकारी; जांच में आएगी तेजी

नई दिल्ली।

दिल्ली सरकार विभिन्न मामलों की जांच के लिए सतर्कता टीम को मजबूत करेगी। इसके लिए सरकार के निर्देश पर सतर्कता निदेशालय ने आदेश जारी किया है, जिसमें केंद्र और दिल्ली सरकार में विभिन्न विभागों में सतर्कता मामलों से जुड़े रहे सेवानिवृत्ति अधिकारियों की नियुक्ति की जाएगी। दिल्ली सरकार का सतर्कता निदेशालय सरकार से संबंधित विभिन्न मामलों की जांच करता है और उसकी रिपोर्ट सरकार को सौंपता है।

उसकी रिपोर्ट के आधार पर ही मामले सीबीआई, एसीबी या अन्य एजेंसियों को जांच सौंपी जाती है। मगर पिछले एक साल से यह विभाग कम सक्रिय रहा। इसका कारण विशेषज्ञों की कमी भी बताई जा रही है। सतर्कता निदेशालय में पूर्व में रहे अधिकारियों की मानें तो लंबे समय से इस निदेशालय में विशेषज्ञों की कमी है। इसके चलते किसी भी मामलों की जांच के लिए अधिकारियों और स्टाफ को रात में भी कई कई घंटे तक कार्यालय में बैठना पड़ा है। तब जाकर जांच की रिपोर्ट वे समय से सरकार को सौंप सके। इसमें चाहे आबकारी घोटाला मामला हो या सरकार से संबंधित या अन्य मामले हों जिनकी सतर्कता जांच रिपोर्ट समय पर उपलब्ध कराने के लिए अधिकारी रात-रात भर कार्यालय में बैठे रहे। कुछ महीने पहले ही सरकार ने इस बात पर नाराजगी जताई थी कि सतर्कता जांच की रिपोर्ट समय पर नहीं आ रही है। इस पर इस निदेशालय के अधिकारियों ने सरकार के सामने अपनी समस्या रखी और बताया कि विशेषज्ञों की बेहद कमी है। इसके बाद से सरकार ने इस निदेशालय को मजबूत करने की निर्देश दिए थे। जिस पर अब अमल शुरू होने की तैयारी है। इसके तहत सतर्कता निदेशालय ने विभिन्न सरकारी विभागों के सतर्कता काम में तैनात रहे उन पूर्व अधिकारियों को अपनी टीम में रखने का फैसला किया है जो पूर्व में केंद्र सरकार या दिल्ली सरकार या फिर किसी अन्य सरकारी उपक्रम में रहे हैं। ऐसे विशेषज्ञों को इस निदेशालय में रखकर सतर्कता निदेशालय को मजबूत किया जाएगा। इसके लिए निदेशालय से आवेदन भी मांगे हैं।

पूर्व पीएम नेहरू की 125वीं जयंती, पीएम मोदी और खरगे ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को आजादी के नायक और भारत के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू की 125वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। हर साल 14 नवंबर को नेहरू की जयंती बाल दिवस के रूप में मनाई जाती है। इस मौके पर देशभर में बच्चों और शिक्षकों के बीच उत्सव और यादों का माहौल रहता है।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर संदेश साझा करते हुए कहा, आज हम स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू की 125वीं जयंती मना रहे हैं। उन्हें मेरी श्रद्धांजलि। हम स्वतंत्रता संघर्ष में उनके योगदान और स्वतंत्र भारत के पहले प्रधानमंत्री के रूप में उनकी भूमिका को याद करते हैं।

नेहरू, जिन्हें बच्चों का प्रिय चाचा नेहरू कहा जाता था, भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से थे। उन्होंने देश को आजादी के बाद नए रास्ते दिखाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और वैज्ञानिक सोच को बढ़ावा देने की उनकी सोच आज भी भारत की पहचान का हिस्सा मानी जाती है। आजादी के बाद देश के पहले प्रधानमंत्री के रूप में नेहरू ने संसद प्रणाली को मजबूत किया, वैज्ञानिक संस्थानों की नींव रखी और उद्योगों को बढ़ावा दिया। उन्होंने आधुनिक अनुसंधान और विकास को देश की प्राथमिकताओं में शामिल किया।

देश में नेहरू जी के विचारों और आदर्शों पर चर्चा तेज

उनकी 125वीं जयंती पर देशभर में एक बार फिर उनके विचारों और आदर्शों पर चर्चा तेज हुई है। इतिहासकारों का कहना है कि नेहरू का नेतृत्व वह पुल था जिसने भारत को ब्रिटिश शासन से एक स्वतंत्र लोकतांत्रिक गणराज्य बनने तक का सफर तय कराया। उनकी विदेश नीति, विकास की दृष्टि और संस्थानों को मजबूत करने का प्रयास आज भी देश की नीति-निर्माण में संदर्भ बिंदु की तरह मौजूद है। प्रधानमंत्री मोदी का यह संदेश बताता है कि नेहरू के योगदान को भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण अध्याय के रूप में आज भी सम्मान से देखा जाता है। राष्ट्र उनकी सोच और उनके द्वारा रखी गई नींव को याद करते हुए आगे बढ़ने का संकल्प दोहराता है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे एक्स पर एक पोस्ट में लिखा- पंडित जवाहरलाल नेहरू की विरासत एक शाश्वत प्रकाश स्तंभ की तरह है, जो भारत के विचार और उनके द्वारा पोषित मूल्यों - स्वतंत्रता, लोकतंत्र, धर्मनिरपेक्षता और वैज्ञानिक सोच - को प्रकाशित करती है। उनकी दूरदर्शिता हमारी अंतरात्मा को प्रेरित करती है .

संरक्षित वनक्षेत्रों के 1 किमी में खनन नहीं, जानें सुप्रीम कोर्ट ने क्यों लगाया रोक?

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि सुरक्षित वनक्षेत्रों (राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों) के भीतर और ऐसे किसी राष्ट्रीय उद्यान या अभयारण्य की सीमा से एक किलोमीटर के दायरे में कोई भी खनन गतिविधि नहीं की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को यह टिप्पणी की कि हालांकि गोवा फाउंडेशन मामले में गोवा राज्य के संदर्भ में ऐसी पाबंदी पहले ही लगाई जा चुकी थी, लेकिन अब इस प्रतिबंध को पूरे भारत में लागू करने की जरूरत है। अदालत ने कहा कि शीर्ष अदालत का मानना है कि संरक्षित क्षेत्रों से एक किलोमीटर की दूरी के भीतर खनन गतिविधियां वन्यजीवों के लिए हानिकारक होंगी। हालांकि गोवा फाउंडेशन केस में ये दिशा-निर्देश केवल गोवा राज्य के संदर्भ में जारी किए गए थे लेकिन इसे अब पूरे देश में लागू किए जाने चाहिए। हम यह आदेश देते हैं कि राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों के भीतर और ऐसे किसी राष्ट्रीय उद्यान या अभयारण्य की सीमा से एक किलोमीटर के दायरे में खनन की अनुमति नहीं होगी।

भारत में एक नए प्रकार का आतंकवाद उजागर

10 नवंबर 2025 की रात, जब देश अपने सामान्य जीवन में व्यस्त था, तब दिल्ली के हृदय में स्थित लाल किले से आई एक भीषण धमाके की आवाज़ ने पूरे राष्ट्र को हिला दिया। यह केवल एक विस्फोट नहीं था,बल्कि भारत की आत्मा, उसके गौरव और उसकी सुरक्षा चेतना पर किया गया एक सुनियोजित प्रहार था।12 नवंबर 2025 को, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने औपचारिक रूप से इस घटना को आतंकवादी हमला घोषित करते हुए कहा है कि यह राष्ट्र की एकता, संप्रभुता और सांस्कृतिक प्रतीक पर लक्षित आतंकी षड्यंत्र था। इस निर्णय ने न केवल इस घटना को कानूनी और संवैधानिक रूप से आतंकवाद की श्रेणी में स्थापित किया,बल्कि यह भारत की आतंकवाद-विरोधी नीति के नए अध्याय की शुरुआत का संकेत भी है।लाल किला केवल एक ऐतिहासिक स्मारक नहीं, बल्कि भारत की आजादी, स्वाधीनता और संप्रभुता का जीवंत प्रतीक है। यहीं से हर 15 अगस्त को प्रधानमंत्री राष्ट्र को संबोधित करते हैं। ऐसे में वहां धमाका होना, अपने आप में यह स्पष्ट संकेत देता है कि आतंकी ताकतें अब प्रतीकात्मक रूप से भारत के राष्ट्रीय आत्म-सम्मान पर चोट कर रही हैं। 2000 में भी लाल किले पर हमला हुआ था, लेकिन 2025 का यह विस्फोट पहले से कहीं अधिक योजनाबद्ध तकनीकी रूप से उन्नत और व्हाइट-कॉलर टेरर नेटवर्क जैसी आधुनिक रणनीतियों से जुड़ा बताया जा रहा है, 12 नवंबर को हुई आपात कैबिनेट बैठक में गृह मंत्रालय, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और खुफिया एजेंसियों की संयुक्त रिपोर्ट पर विचार के बाद यह निर्णय लिया गया कि लाल किले का धमाका एक 'आतंकी घटना' है। यह निर्णय केवल औपचारिक घोषणा नहीं,बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा दृष्टिकोण में परिवर्तन का संकेत है। रिपोर्ट में इस बात की पुष्टि की गई कि विस्फोट में प्रयुक्त विस्फोटक आरडीएक्स आधारित संयोजन था, जिसे डिजिटल टाइमिंग और ड्रोन लॉजिस्टिक सिस्टम से जोड़ा गया था। तकनीकी विश्लेषण से यह भी स्पष्ट हुआ कि हमले के लिए इस्तेमाल की गई तकनीक साइबर-नेटवर्क के माध्यम से विदेशों से संचालित हुई।केंद्रीय मंत्रिमंडल ने यह भी तय किया है कि इस घटना की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी करेगी और इसके तहत यूएपीए (अनलॉफुल एक्टिविटीज प्रिवेंशन एक्ट) की धाराएँ लागू की जाएंगी। इसके अलावा, विदेश मंत्रालय को निर्देश दिया गया है कि वह इस मामले को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाए और भारत के विरुद्ध आतंक के समर्थन करने वाले संगठनों पर कार्रवाई की मांग करे। साथियों बात अगर हम व्हाइट- कॉलर टेररिज्म आतंकवाद का नया चेहरा इसको समझने की करें तो,लाल किले की इस घटना ने भारत में एक नए प्रकार के आतंकवाद को उजागर किया है,व्हाइट-कॉलर टेररिज्म। यह वह प्रवृत्ति है जिसमें शिक्षित, पेशेवर और सामाजिक रूप से सम्मानित व्यक्ति आतंक के तंत्र का हिस्सा बनते हैं। प्रारंभिक जांच के अनुसार, दिल्ली और मुंबई के कुछ विश्वविद्यालयों से जुड़े प्रोफेशनल्स ने डेटा एन्क्रिप्शन,डिजिटलकम्युनिकेशन और वित्तीय चैनलों के माध्यम से इस नेटवर्क को सहयोग दिया। इसका अर्थ यह हुआ कि आतंकवाद अब केवल हथियारों या सीमापार घुसपैठ तक सीमित नहीं रहा, बल्कि उसने डिजिटल और बौद्धिक मोर्चे पर भी पैर पसार लिए हैं।आंतरिक सुरक्षा के लिए नई चुनौती-लाल किले पर हुआ यह विस्फोट भारतीय सुरक्षा व्यवस्था की उस चुनौती को सामने लाता है जिसमें पारंपरिक खतरों से अधिक जटिल हैं अदृश्य और तकनीकी आधारित खतरे। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित ट्रिगर सिस्टम, और क्रिप्टोकरेंसी से फंडिंग जैसी प्रवृत्तियाँ अब भारतीय सुरक्षा संस्थाओं के लिए नई पहेली बन चुकी हैं। इसी संदर्भ में गृह मंत्रालय ने निर्णय लिया है कि डिजिटल इंटेलिजेंस और ड्रोन डिफेंस नेटवर्क को राष्ट्रीय सुरक्षा ढाँचे में प्राथमिकता दी जाएगी। साथियों बात अगर हम इस घटना से अंतरराष्ट्रीय आयाम वैश्विक स्तर पर प्रतिक्रिया को समझने की करें तो, इस घटना के बाद अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जापान और ऑस्ट्रेलिया ने भारत के साथ एकजुटता जताई है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव ने कहा कि भारत पर हुआ यह हमला मानवता के विरुद्ध अपराध है। वहीं, फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स ने इस घटना से जुड़े फंडिंग नेटवर्क की अंतरराष्ट्रीय जांच शुरू करने का संकेत दिया है।भारत अब इस मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में उठाने जा रहा है ताकि सांस्कृतिक प्रतीकों पर आतंकी हमले को एक नई श्रेणी में शामिल किया जा सके। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक महत्वपूर्ण पहल होगी क्योंकि लाल किला जैसे विश्व धरोहर स्थल पर हमला न केवल भारत पर, बल्कि मानव सभ्यता की साझा विरासत पर आघात है।अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद के खिलाफ भारत की नई भूमिका- भारत लंबे समय से आतंकवाद का शिकार रहा है, चाहे वह 2001 का संसद हमला हो, 2008 का मुंबई हमला या पुलवामा की त्रासदी। लेकिन लाल किला विस्फोट एक अलग किस्म की घटना है, क्योंकि यह सांस्कृतिक आतंकवाद का प्रतीक है,जहाँ उद्देश्य केवल जान-माल का नुकसान नहीं बल्कि राष्ट्र की पहचान को अपमानित करना है।भारत अब अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस नए आयाम को उठाने जा रहा है ताकि यूनेस्को वर्ल्ड हेरिटेज स्थलों की सुरक्षा के लिए ग्लोबल प्रोटेक्शन चार्टर बनाया जा सके। साथियों बात अगर हम राष्ट्रीय सुरक्षा नीति का पुनर्गठन इसको समझने की करें तो, कैबिनेट बैठक के बाद पीएम ने स्पष्ट कहाकि हमला हमारे प्रतीकों पर नहीं, हमारी आत्मा पर है। भारत हर उस ताकत को जवाब देगा जो हमारी संप्रभुता को चुनौती देगी। इसके साथ ही राष्ट्रीय आंतरिक सुरक्षा नीति 2025 में सुधार के संकेत दिए गए हैं। इसमें तीन प्रमुख बिंदुओं पर काम होगा (1)इंटेलिजेंस इंटीग्रेशन - सभी खुफिया एजेंसियों के बीच डिजिटल प्लेटफॉर्म पर रियल-टाइम डाटा शेयरिंग। (2) साइबर-टेरर ट्रैकिंग यूनिट जो सोशल मीडिया, क्रिप्टो ट्रांजैक्शन और डार्कनेट से जुड़ी गतिविधियों पर नज़र रखेगी (3) सांस्कृतिक विरासत सुरक्षा बल-जो ताजमहल, लाल किला, कुतुब मीनार जैसे राष्ट्रीय स्मारकों की हाईटेक सुरक्षा के लिए गठित की जाएगी। साथियों बात अगर हमजनमानस की प्रतिक्रिया और राजनीतिक एकजुटता को समझने की करें तो, देशभर में इस घटना को लेकर भारी आक्रोश और एकता की भावना देखी गई।

विपक्षी दलों ने भी सरकार के इस कदम का समर्थन करते हुए कहा कि आतंकवाद का कोई धर्म या राजनीति नहीं होती, यह मानवता का शत्रु है। सोशल मीडिया पर हैश टैग ट्रेंड कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि भारत को अब केवल 'रिएक्टिव' नहीं बल्कि 'प्रोएक्टिव' सुरक्षा नीति अपनानी होगी। साथियों बात अगर हम कानूनी और संवैधानिक दृष्टिकोण, आर्थिक और पर्यटन पर प्रभाव को समझने की करें तो, केंद्रीय कैबिनेट द्वारा इस घटना को आतंकी घोषित करने का अर्थ है कि यह अब भारतीय दंड संहिता की सामान्य धाराओं से आगे बढ़कर यूएपीए, एनआईए एक्ट और राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम के तहत जांच और अभियोजन के दायरे में आएगी। इससे जांच एजेंसियों को अंतरराष्ट्रीय सहयोग, डिजिटल साक्ष्य संग्रह और वित्तीय लेनदेन की निगरानी में अधिक शक्ति मिलेगी। साथ ही, यह निर्णय भारत की न्यायिक प्रणाली को भी एक मिसाल बनेगा कि कैसे संवैधानिक तंत्र राष्ट्रीय सुरक्षा की रक्षा में सक्रिय भूमिका निभा सकता है।आर्थिक और पर्यटन पर प्रभाव-लाल किला न केवल भारत की विरासत है बल्कि दिल्ली की पर्यटन अर्थव्यवस्था का भी आधार है।

इस घटना के बाद पर्यटन विभाग नेअंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए सुरक्षाआश्वासन प्रोटोकॉल जारी किया है।हालांकि अल्पकालिक रूप से पर्यटन पर असर पड़ना स्वाभाविक है, लेकिन दीर्घकाल में सरकार ने यह भरोसा दिया है कि सुरक्षा मानकों को विश्व स्तर तक सशक्त किया जाएगा ताकि भारत की विरासत स्थलों की गरिमा बनी रहे। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि इतिहास ने फिर दी चेतावनी,10 नवंबर 2025 की वह रात भारत के इतिहास में उस क्षण के रूप में दर्ज होगी जब आतंकवाद ने फिर यह दिखाया कि वह केवल सीमाओं पर नहीं, बल्कि दिलों और प्रतीकों पर हमला करता है। लेकिन भारत का उत्तर स्पष्ट है,हम डरे नहीं हैं, हम दृढ़ हैं।

सम्पादकीय...

बिहार की महिला वोटर

बिहार के राजनैतिक समीकरण इतने उलझे हुए हैं कि राजनैतिक विश्लेषकों द्वारा इनका वैज्ञानिक विश्लेषण करना आसान कार्य नहीं है। एक ओर जातिगत समीकरण हैं तो दूसरी तरफ अमीरी-गरीबी की गहरी खाई के साथ चहुंओर पसरी हुई गरीबी है वहीं तीसरी तरफ स्त्री-पुरुष के बीच कार्यगत अन्तर है। यह अन्तर इतना गहरा है कि बिहार से पलायन कर दूसरे प्रदेशों को गये पुरुषों की अनुपस्थिति में महिलाओं को ही घर से लेकर बाहर तक के सारे कामकाज करने होते हैं और अपनी गृहस्थी की गाड़ी को चलाना पड़ता है लेकिन एक तथ्य यह भी है कि बिहार की महिलाएं अन्य राज्यों की तुलना में अधिक कार्य पारंगत मानी जाती हैं। बिहार में विगत 11 नवम्बर को हुए अन्तिम चरण के दूसरे मतदान के बाद अब आज 14 नवम्बर को परिणाम आ जायेंगे जिससे सभी एक्जिट पोलों का सच भी सामने आ जायेगा। बिहार में इस बार पिछले 75 सालों का सर्वाधिक मतदान हुआ है और अधिकतम एक्जिट पोल सत्तारूढ़ एनडीए को विजय दिला रहे हैं। जबकि सामान्य तौर पर यह अवधारणा रहती है कि अधिक मतदान सत्तारूढ़ पार्टी के खिलाफ जाता है परन्तु बिहार में एक्जिट पोल ऐसा नहीं मान रहे हैं और कह रहे हैं कि मुख्यमन्त्री श्री नीतीश कुमार के शासन के प्रति मतदाताओं की सद्भावना रही है। वैसे यह सच है कि 2005 से नीतीश बाबू जिस पाले में भी रहे हैं जीत उसी पाले की हुई है मगर उनकी जीत के पीछे महिलाओं का समर्थन भी एक बहुत बड़ा कारण माना जा रहा है। वैसे तो चुनाव आयोग ने 6 नवम्बर को पहले दौर का मतदान होने के बावजूद पुरुष व महिला मतदाताओं के आंकड़े 11 नवम्बर तक नहीं दिये मगर दूसरे दौर का अन्तिम चरण 11 नवम्बर होने के बाद उसने 12 नवम्बर को महिला व पुरुष मतदाताओं के अलग-अलग आंकड़ों का मतप्रतिशत बताया जबकि कुल महिला व पुरुष मतदाताओं की संख्या अभी तक नहीं बताई है। ऐसा चुनाव आयोग क्यों कर रहा है यह तो वही जाने मगर जो आंकड़े आये हैं उनके अनुसार मतदान के दोनों चरणों में कुल मतदान 66.91 प्रतिशत रहा है। जिसमें महिला मतदाताओं ने पुरुषों के मुकाबले 8.8 प्रतिशत अधिक मतदान किया है। राज्य में 2005 के बाद से महिला वोटर पुरुषों के मुकाबले अधिक मतदान करती आ रही है मगर यह अन्तर अभी तक का सबसे बड़ा अन्तर माना जा रहा है। ऐसा समझा जाता है कि महिला मतदाताओं की पहली पसन्द श्री नीतीश कुमार होते हैं क्योंकि 2005 में पहली बार सत्ता पर बैठने के बाद उन्होंने महिलाओं के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू कीं। इसके बाद से लगातार नीतीश बाबू ही मुख्यमन्त्री बन रहे हैं और वह उनके लिए हर बार कोई नयी योजना लाते रहते हैं। राज्य में पहले से चल रही जीविका दीदी योजना के तहत चुनाव से पहले एक करोड़ के लगभग जीविका दीदियों को दस- दस हजार रुपये दिये गये। चुनावों पर इसका क्या असर रहा यह तो 14 नवम्बर को ही पता चलेगा परन्तु जहां तक मत प्रतिशत का सवाल है तो इस बार के चुनावों में महिलाओं में यह 71.6 प्रतिशत रहा जबकि पुरुषों में यह 62.8 प्रतिशत रहा। इस अन्तर को देखकर अनुमान लगाया जा रहा है कि 2025 के चुनाव में पुरुषों के मुकाबले स्त्रियों ने पांच लाख अधिक वोट डाले। ये आंकड़े तब हैं जबकि राज्य में हुए विशेष गहन मतदाता पुनरीक्षण में पुरुषों के मुकाबले महिलाओं के नाम अधिक कटे। बिहार में 3.93 करोड़ पुरुष मतदाता हैं और 3.51 करोड़ महिला मतदाता हैं। इस प्रकार पुरुष व महिला मतदाताओं में 42.34 लाख मतों का अन्तर है। हालांकि चुनाव आयोग ने इन चुनावों में कुल स्त्री व पुरुष मतदाताओं की कुल संख्या जारी नहीं की है मगर प्रतिशतता के आधार पर जो आंकड़ा निकलता है वह 2.52 करोड़ महिला वोटरों का है और 2.47 करोड़ पुरुष वोटरों का है। जैसा कि मैंने ऊपर भी लिखा है। इससे जाहिर होता है कि महिला वोटरों में ज्यादा उत्साह था। यह उत्साह इसीलिए था कि बिहार में महिलाओं के सिर पर जिम्मेदारी का बोझ पुरुषों के मुकाबले ज्यादा रहता है लेकिन क्या इसका मतलब यह निकाल लिया जाये कि महिलाओं के सभी वोट नीतीश बाबू को पड़े हैं? यह आंकलन सही नहीं होगा क्योंकि एक तरफ यह भी कहा जाता है कि बिहार का समाज विभिन्न जातिगत खांचों में बंटा हुआ है। अगर यह सच है तो इसका असर महिला मतदाताओं पर भी पड़ना चाहिए क्योंकि राज्य में सभी चुनाव विश्लेषण जातिगत आधार पर ही किये जाते हैं। यह भी सच है कि अलग-अलग जातियों की अपनी-अपनी राजनीतिक पार्टियां भी हैं। यदि महिलाएं जाति-पाति से ऊपर उठकर मतदान करती हैं तो इसे बिहार की राजनीति में एक नया प्रयोग कहा जायेगा परन्तु वास्तव में ऐसा है नहीं क्योंकि चुनाव नतीजे हमें इसका प्रमाण नहीं देते रहे हैं। यदि पुराना इतिहास देखें तो ये प्रमाण तो हैं कि नीतीश बाबू फायदे में रहे हैं मगर इस बात के सबूत नहीं हैं कि महिलाओं ने जात-पात से ऊपर उठकर मतदान किया है। अभी तक 2010 में नीतीश बाबू की जद (यू) पार्टी को सर्वाधिक 115 सीटें हासिल हुई थीं। इन चुनावों में महिलाओं ने 54.49 प्रतिशत व पुरुषों ने 51.12 प्रतिशत वोट डाले। इन चुनावों में भाजपा व जद (यू) का गठबन्धन था। यह वोट 2005 से 2010 तक के नीतीश के कार्यकाल के आधार पर था जिसमें लालू जी की पार्टी को मात्र 22 सीटों पर ही सन्तोष करना पड़ा था। इसके बाद 2015 में नीतीश बाबू का लालू जी से गठजोड़ था जिसमें महिलाओं ने 60.48 प्रतिशत व पुरुषों ने 53.32 प्रतिशत मत दिया था। इसमें लालू जी की पार्टी को सर्वाधिक 80 व नीतीश बाबू की पार्टी को 71 सीटें ही मिली थीं। अतः इन चुनावों में जातिगत समीकरण ने भी अपना काम किया था। इस बार 2025 में यही देखा जाना है कि महिलाओं का अधिक मत प्रतिशत किस हद तक नीतीश बाबू की मदद करता है।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के जनादेश के मायने

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के परिणामों ने राज्य की राजनीति और सामाजिक समीकरणों पर बड़ा प्रभाव डाला है। इस बार बीजेपी नेतृत्व वाला एनडीए गठबंधन रिकॉर्ड सीटों के साथ भारी बहुमत से सत्ता में लौट रहा है, जबकि महागठबंधन (राजद-कांग्रेस गठबंधन) को गंभीर झटका लगा है। चुनाव परिणाम के निष्कर्ष से स्पष्ट है कि एनडीए ने 243 में से 200 से अधिक सीटों पर जीत सुनिश्चित की है, जिसमें बीजेपी को 91, जेडीयू को 81 एवं लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) को 21 सीटें मिली हैं। वहीं, विपक्षी महागठबंधन महज 38 सीटों पर सिमट गया है, जिसमें राजद 26, कांग्रेस 4 और वामदल (सीपीआई, सीपीएम आदि) 6 सीटों पर आगे दिखे। ये आंकड़े अनंतिम हैं। इसमें मामूली बदलाव सम्भाव्य है। मतदाता प्रतिशत 66.91फीसदी के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा, महिलाएं 71.6फीसदी की हिस्सेदारी के साथ निर्णायक भूमिका में रहीं। इन नतीजों के मायने दिलचस्प हैं-

पहला, शासन और नेतृत्व पर असर- चुनाव परिणाम ने डबल इंजन की सरकार यानी केंद्र-राज्य एक ही साझा गठबंधन के फॉर्मूले पर जनता की मुहर को मजबूती दी है। इससे राज्य में स्थिरता, नीति निरंतरता तथा केंद्र से सहयोग की उम्मीद है। एनडीए में बीजेपी की सीट्स जेडीयू से अधिक हैं, जिससे भाजपा का राज्य के सत्ता-समीकरण, मंत्रिमंडल गठन और नीतियों पर कड़ा प्रभाव होगा।

दूसरा, विपक्ष के लिए संदेश- राजद और महागठबंधन की हार, खासकर युवा व महिला वोटर्स के बड़ी संख्या में एनडीए की ओर जाने के कारण हुई है, जिससे विपक्षी पार्टियों को खुद की रणनीति और नेतृत्व की समीक्षा करनी होगी।

तीसरा, सामाजिक-राजनीतिक पटल पर प्रभाव- वोटर टर्नआउट में नई ऊंचाई और महिला वोटर्स का रुझान, सामाजिक विकास, शिक्षा-स्वास्थ्य, सुरक्षा के मुद्दों को आगे लाता है; वहीं जाति-आधारित राजनीति कुछ हद तक कमजोर होती दिखी। वहीं, छोटे दलों की भूमिका बनी रही, जिससे स्थानीय मुद्दे और क्षेत्रों के लिए बैलेंसिंग एक्ट की आवश्यकता बढ़ गई है।

चतुर्थ, राष्ट्रीय राजनीति के लिए संकेत- बिहार का परिणाम 2029 के लोकसभा चुनाव के पहले एनडीए के लिए राष्ट्रीय स्तर पर मनोबल और संदेश देता है कि क्षेत्रीय गठबंधन नीति और विकास एजेंडा कारगर है।

वहीं, एक सवाल यह भी है कि बिहार परिणाम का राष्ट्रीय राजनीति पर असर क्या होगा? तो जवाब होगा कि बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में एनडीए की भारी जीत का राष्ट्रीय राजनीति पर कई स्तरों पर असर पड़ेगा। बिहार जैसे बड़े और राजनीतिक रूप से अहम राज्य में बीजेपी-जेडीयू गठबंधन की सफलता विपक्षी दलों, विशेष रूप से कांग्रेस और इंडिया गठबंधन को कमजोर करती है, जबकि एनडीए की नीतियों और नेतृत्व को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती मिलती है। राष्ट्रीय राजनीति का नया समीकरण-एनडीए की जीत से प्रधानमंत्री, केंद्र सरकार और भाजपा नेतृत्व की लोक-प्रियता को बड़ा सहारा मिला है। इससे भाजपा आगामी लोकसभा चुनाव 2029 और अन्य राज्यों के विधानसभा चुनाव में मजबूत स्थिति में रहेगी। बिहार के नतीजे पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्यों में एनडीए के लिए गति और उदाहरण बनेंगे। वहीं, विपक्षी इंडिया गठबंधन में अंदरूनी फूट, नेतृत्व संकट और जमीनी कमजोरियां उजागर हुई हैं। कमजोर प्रदर्शन से विपक्षी गठबंधन के भविष्य, नेतृत्व और संयुक्त रणनीति को लेकर गंभीर सवाल पैदा होंगे।

साथ ही, ममता बनर्जी (प. बंगाल), अखिलेश यादव (यूपी) जैसे क्षेत्रीय नेताओं के लिए भी बिहार का परिणाम मार्गदर्शक होगा कि उन्हें अपनी गठबंधन संरचना पर पुनर्विचार करना पड़ेगा। नीतिगत और सामाजिक प्रभाव- बिहार में एनडीए की सरकार के विकास-कार्य, स्वास्थ्य-शिक्षा और महिला-सशक्तिकरण एजेंडा राष्ट्रीय स्तर पर भी प्राथमिकता पा सकता है। वहीं, महिलाओं और युवाओं के बड़े हिस्से का समर्थन एनडीए को मिला, इससे सामाजिक सुधार और चुनावी रणनीति में इन वर्गों का महत्व बढ़ेगा। वहीं, भाजपा और जेडीयू में सीटों के समीकरण से भी केंद्रीय सत्ता में गठबंधन के आंतरिक समीकरण बदल सकते हैं, खासकर मोदी सरकार 3.0 में सहयोगी दलों की भूमिका बढ़ सकती है। आगामी लोकसभा चुनाव पर असर- बिहार परिणाम ने भाजपा को 2029 चुनाव के लिए मनोबल, रणनीति और समर्थन का ठोस आधार दिया है। विपक्षी गठबंधन को फिर से खुद को संगठित और प्रासंगिक साबित करने की चुनौतियां मिली हैं। बिहार जैसे राज्य का चुनाव परिणाम राष्ट्रीय राजनीति की दिशा, गठबंधन व्यवस्था और चुनावी मुद्दों को गहराई से प्रभावित करता है। 2025 के नतीजे ह्य को केंद्र में मजबूती व विपक्ष को नए सिरे से आत्ममंथन का संकेत देते हैं।

क्या तरनतारन उप-चुनाव के नतीजे अकाली गुटों के लिए जनमत संग्रह माने जाएंगे?

तरनतारन उप-चुनाव, जिसके नतीजे आज दोपहर से पहले घोषित होने की उम्मीद है, पंजाब के निवासियों के साथ-साथ दुनिया भर में रहने वाले पंजाबियों, खासकर सिखों और देश भर के राजनीतिक विशेषज्ञों का ध्यान केंद्रित कर रहा है। इस विधानसभा क्षेत्र को पंथक निर्वाचन क्षेत्र इसलिए कहा जाता है क्योंकि अगर 1966 में पंजाबी सूबा के गठन के बाद हुए चुनावों के नतीजों की बात करें तो इस निर्वाचन क्षेत्र में हुए 14 चुनावों में से 8 बार अकाली, 3 बार कांग्रेस, 2 बार निर्दलीय और एक बार आम आदमी पार्टी के उम्मीदवार जीते हैं। पंथक निर्वाचन क्षेत्र माने जाने के बावजूद, इस निर्वाचन क्षेत्र में 2017 और 2022 में हुए दो विधानसभा चुनावों में एक बार कांग्रेस और एक बार आम आदमी पार्टी ने लगातार दो बार पंथक पार्टी को हराने में कामयाबी हासिल की है। पाठकों के मन में यह सवाल उठ रहा होगा कि तरनतारन चुनाव में पंजाब की सभी पार्टियां हिस्सा ले रही हैं और अकाली दल के साथ-साथ अन्य पार्टियां भी यहां से जीतती रही हैं तो फिर इस चुनाव के नतीजों को सिर्फ अकाली दल के गुटों के लिए जनमत संग्रह कैसे कहा जा सकता है। इसे समझने के लिए हमें अकाली दल के पिछले इतिहास को जानना होगा। जब पिछले 3 दशकों से अकाली दल बादल पंजाब के पंथक क्षेत्र में एक निर्विवाद पार्टी के रूप में मौजूद था। लेकिन इस दशक में अकाली दल को लगातार 2 विधानसभा चुनावों और एक लोकसभा चुनाव में बड़ी हार का सामना करना पड़ा। 2024 के लोकसभा चुनावों में हार के बाद,पार्टी के दूसरे दर्जे के नेतृत्व ने इन हार के लिए पार्टी अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल को जिम्मेदार ठहराते हुए उनके इस्तीफे की मांग शुरू कर दी और सुखबीर सिंह बादल ने इस्तीफा देने से साफ इंकार कर दिया। सुखबीर सिंह बादल द्वारा इस्तीफा न दिए जाने से नाराज इस्तीफा मांगने वाले नेताओं ने अकाल तख्त साहब का दरवाजा खटखटाया और सुखबीर सिंह बादल पर कई गंभीर आरोप लगाए और अकाल तख्त से कड़ी सजा की मांग की, जिसके चलते 2 दिसंबर को अकाल तख्त के तत्कालीन जत्थेदार ज्ञानी रघबीर सिंह ने सुखबीर सिंह बादल, उनके साथियों और शिकायत करने वाले नेताओं को धार्मिक और राजनीतिक सजा सुनाई। इन सभी ने धार्मिक सजा तो भुगती लेकिन अकाली दल बादल राजनीतिक सजा भुगतने से बच गया।

इसके चलते सुखबीर सिंह बादल के विरोध में एक नया अकाली दल, अकाली दल पुनर सुरजीत अस्तित्व में आया, जिसके चलते अकाली दल बादल के कई बड़े नेता इस अकाली दल के सदस्य बन गए। इसके अलावा पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान खडूर साहिब से जीते आजाद उम्मीदवार भाई अमृतपाल सिंह और फरीदकोट से आजाद उम्मीदवार के तौर पर जीते सरबजीत सिंह खालसा ने मिलकर नया अकाली दल 'अकाली दल वारिस पंजाब दे' बनाया। तरनतारन में हो रहे उप-चुनाव के लिए अकाली दल ने सुधीर कुमार सूरी और सूबा सिंह की हत्या के आरोप में जेल में बंद संदीप सिंह सनी के भाई मनदीप सिंह को अपना उम्मीदवार बनाया है।

आतंकियों का मक़सद - देशवासियों में भाईचारक सांझ तोड़ना

कुछ सालों पहले तक जितने भी खिलाड़ी भले ही किसी भी खेल से हों अपने सिखी स्वरूप के साथ ही खेलते हुए देश को अनेक पदक जीतकर दिए। मगर अचानक फैशन प्रस्ती की एक ऐसी हवा चली जिसने सिख युवाओं के दिलों दिमाग पर सिखी स्वरूप से छेड़छाड़ का चलन पैदा कर दिया और आम सिख से लेकर, बड़े व्यवसायी, खिलाड़ी, फौजी कोई भी इससे बच नहीं पाए। सबसे अधिक नुकसान सिखी को पंजाबी फिल्मों और पंजाबी सिंगरों ने पहुंचाया। सिख युवा इन्हें ही अपना रोल माडल समझकर इनके जैसे दिखने के चक्कर में सिखी स्वरूप का त्याग करने लगे। जिसके परिणाम स्वरुप आज बहुत ही कम युवा ऐसे बचे हैं जो आज भी पूर्ण सिखी स्वरूप में रहकर केवल देश ही नहीं विदेशों में भी जाकर देश, कौम का नाम रोशन कर रहे हैं। इन्हीं में एक हैं विक्रमवीर सिंह बावा जिसने अपने पूरे सिखी स्वरूप के साथ ग्रीस में आयरन मैन का खिताब हासिल किया है। विक्रम वीर सिंह श्री गुरु अंगद देव जी की 16वीं पीढ़ी से हैं। उनसे पहले बाबा दासू जी, शिरोमणि पंथ अकाली बुढ़ा दल के पहले मुखी जत्थेदार बाबा बिनोद सिंह जी, और 15वीं पीढ़ी के बाबा गुरिंदर सिंह जो कि अनेक धार्मिक जत्थेबंदियों से जुड़े हुए हैं।

आतंकवाद का कोई भी धर्म या मजहब नहीं होता और ना ही इनके दिलों में मानवता होती है, इनका मकसद केवल समाज में आतंक पैदा कर अपने निजी स्वार्थों की पूर्ति करना होता है। पिछले लंबे समय से भारत का पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान बड़े पैमाने पर आतंकियों को समर्थन देकर उनका इस्तेमाल भारत में आतंक का माहौल बनाने के लिए करता है। पाकिस्तान की हमेशा मंशा रहती है कि भारत में आपसी प्रेम और भाईचारक सांझ को तोड़ा जाए जिसके लिए वह अक्सर मुस्लिम और सिख भाईचारे के बेरोजगार और जरूरतमंद युवाओं को धर्म की आस्था के नाम पर या फिर पैसे का लालच देकर आतंकी गतिविधियों में शामिल करता है और युवा वर्ग जिसे अपने धर्म के प्रति ज्ञान का अभाव रहता है वह जल्द ही इनके झांसे में फंस जाते हैं। देखा जाए तो कोई भी धर्म इस बात की इजाजत नहीं देता कि बिना वजह किसी का खून बहाया जाए, आतंक पैदा किया जाये। हाल ही में दिल्ली के लाल किला के पास जहां हमेशा भीड़भाड़ रहती है वहां विस्फोट किया गया जिससे साफ है कि आतंकियों ने केवल आतंक पैदा करने की दृष्टि से ऐसा किया और यह भी हो सकता है कि गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी शताब्दी समागम जो कि लाल किला मैदान में होने वाले हैं जिनकी तैयारियां लगातार जारी हैं और देश के प्रधानमंत्री, गृह मंत्री से लेकर कई धार्मिक और राजनीतिक शख्सियतों के साथ-साथ देश-विदेश से लाखों की गिनती में श्रद्धालुगण भाग लेने वाले हैं। मगर शायद आतंकी संगठनों को यह समागम नाखुशगवार है। वह नहीं चाहते कि हिन्दू-सिख भाईचारा मिलकर रहे और इस काम में खालिस्तानी संगठनों के द्वारा भी कई तरह की साजिशें रची जा रही हैं। इसका अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है जहां एक ओर हर कोई लाल किला के पास हुए धमाके पर दुख प्रकट कर रहा है वहीं खालिस्तानी संगठनों के नुमाइंदे बेतुकी बयानबाजी करते दिख रहे हैं जिससे पता चलता है कि उनकी मानवीयता मिट चुकी है, वे अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए किसी भी नीचता तक उतर सकते हैं। खालिस्तानी संगठनों के प्रतिनिधि इस घटना को 1984 के सिख विरोधी हत्याकांड से जोड़ने की कोशिश कर रहे हैं जिसमें हजारों सिखों का एक पार्टी विशेष के द्वारा सुनियोजित तरीके से कत्लेआम किया था। मौजूदा समय में केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी सहित अन्य सिख संस्थाओं को सहयोग कर गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी समागमों को मनाने जा रहे हैं जिससे आने वाले समय में हिंदू-सिख एकता को मजबूती मिलने वाली है। देश की बागडोर इस वक्त जिन हाथों में है वह इस बात को भली-भांति समझते हैं कि आज अगर देश में लोकतंत्र कायम है, धर्म की आजादी है तो वह गुरु तेग बहादुर जी के बलिदान की बदौलत है, अन्यथा मुगल शासकों ने सैकड़ों वर्ष पूर्व ही सभ्य समाज करने की ठान ली थी थी। पाकिस्तान सिखों की भावनाओं से खिलवाड़ बंद करे- पाकिस्तान अपनी गंदी राजनीति से बाज नहीं आ रहा है। एक ओर वह सिख समुदाय का हमदर्द बनकर गुरु नानक देव जी के प्रकाश पर्व पर भारत के सिख श्रद्धालुओं को ननकाणा साहिब में दर्शनों हेतु आमंत्रित करता है, सरकारी सहयोग के साथ पाकिस्तान गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी पूर्ण इन्तजाम करने का संसार भर में ढिंढोरा पीटती है मगर शायद असलियत कुछ और ही बयान करती है। आज पाकिस्तान में सैकड़ों गुरुघर ऐसे हैं जिनकी हालत पूरी तरह से खस्ता हो चुकी है या फिर पाकिस्तानियों ने जबरन उन स्थानों पर कब्जा कर लिया है मगर अफसोस की बात कि ना तो पाकिस्तान गुरुद्वारा प्रबन्धक के द्वारा इस पर कोई संज्ञान आज लिया जाता है और ना ही विदेशों में बैठे पाकिस्तानी एजेंसियों के रहमो करम पर पलने वाले खालिस्तानियों के द्वारा एक भी शब्द बोला जा रहा है।

उन्हें भारतीय हकूमत की खामियां तो दिखाई देती हैं मगर पाकिस्तान का नाम आते ही बोलती बन्द हो जाती है जबकि भारत के मौजूदा प्रधानमंत्री से लेकर केन्द्र व राज्यों की सरकारों के द्वारा सिख गुरु साहिबान के प्रति पूर्ण श्रद्धा भावना और सिख समुदाय को सम्मान दिया जाता है। पाकिस्तान में स्थित ऐतिहासिक पवित्र स्थलों जिनका सिख इतिहास में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है, अब जर्जर हो चुके हैं और प्रशासनिक लापरवाही के कारण वे धीरे-धीरे खंडहर बन रहे हैं। वजीराबाद में स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु तेग बहादुर साहिब, गुरुद्वारा भाई बेहलो जी और कई अन्य ऐतिहासिक गुरुद्वारे जो सिख धर्म की प्राचीन विरासत से जुड़े हैं, अब खस्ताहाल स्थिति में हैं। दीवारें टूट चुकी हैं, गुंबद गिर रहे हैं और आस-पास की भूमि पर भी अतिक्रमण हो चुका है। 250 से अधिक ऐतिहासिक गुरुद्वारे दयनीय स्थिति में हैं। इसलिए अगर वाकय में ही पाकिस्तानी सरकार और प्रशासन सिख गुरु साहिबान के प्रति सत्कार या सिखों से प्रेम रखता है तो इन गुरुद्वारों पर ध्यान केन्द्रित करते हुए रखरखाव को बेहतर बनाए वरना अपनी नौटंकी से बाज आए। सिखी स्वरूप में आयरन मैन बनकर ग्रीस में भारत का झण्डा बुलंद किया आज के समय में देखने को मिलता है किसी मुकाम तक पहुंचने से पहले ही लोग अपने सिखी स्वरूप की तिलांजलि दे देते हैं क्योंकि ज्यादातर युवाओं को यह लगता है कि सिखी स्वरूप कहीं ना कहीं उनकी काबलियत में रुकावट पैदा कर सकता है जबकि ऐसा बिल्कुल भी नहीं है। सिखी स्वरूप में रहते हुए ही सिख सैनिकों के द्वारा अनेक युद्धों में विजयी हासिल की। यहां तक कि अंग्रेजी हकूमत के समय में सिख सैनिक अपनी सिखी वेशभूषा में ही रहते थे। कुछ सालों पहले तक जितने भी खिलाड़ी भले ही किसी भी खेल से हों अपने सिखी स्वरूप के साथ ही खेलते हुए देश को अनेक पदक जीतकर दिए। मगर अचानक फैशन प्रस्ती की एक ऐसी हवा चली जिसने सिख युवाओं के दिलो दिमाग पर सिखी स्वरूप से छेड़छाड़ का चलन पैदा कर दिया और आम सिख से लेकर, बड़े व्यवसायी, खिलाड़ी, फौजी कोई भी इससे बच नहीं पाए। सबसे अधिक नुकसान सिखी को पंजाबी फिल्मों और पंजाबी सिंगरों ने पहुंचाया। सिख युवा इन्हें ही अपना रोल माडल समझकर इनके जैसे दिखने के चक्कर में सिखी स्वरूप का त्याग करने लगे। जिसके परिणाम स्वरूप आज बहुत ही कम युवा ऐसे बचे हैं जो आज भी पूर्ण सिखी स्वरूप में रहकर केवल देश ही नहीं विदेशों में भी जाकर देश, कौम का नाम रोशन कर रहे हैं। इन्हीं में एक हैं विक्रमवीर सिंह बावा जिसने अपने पूरे सिखी स्वरूप के साथ ग्रीस में आयरन मैन का खिताब हासिल किया है। विक्रम वीर सिंह श्री गुरु अंगद देव जी की 16वीं पीढ़ी से हैं। उनसे पहले बाबा दासू जी, शिरोमणि पंथ अकाली बुढ़ा दल के पहले मुखी जत्थेदार बाबा बिनोद सिंह जी, और 15वीं पीढ़ी के बाबा गुरिंदर सिंह जो कि अनेक धार्मिक जत्थेबंदियों से जुड़े हुए हैं। तख्त पटना साहिब कमेटी सदस्य, एवं चीफ खालसा दीवान महाराष्ट्र के प्रधान गुरिंदर सिंह बावा के पूरे परिवार का गुरुघरों में सेवा से जुड़ाव एवं सिखी प्रचार को समर्पित होने का परिणाम ही है कि परिवार के युवा भी अपने पूर्वजों के दिखाए रास्ते पर चलते हुए देश, धर्म और समाज का नाम रोशन करते आ रहे हैं। जिस वक्त विक्रम वीर सिंह बावा ने यह खिताब जीता, उस समय जयकारों की गूंज से माहौल देखने योग्य था।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार शास्त्री ने कान्हा ऑफसेट प्रिन्टर्स, ए-9, साउथ पश्चिमी एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया सम्पादक : विजय कुमार शास्त्री, मो. : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित खबरों से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में हरि. (DELHIN/2010/...)

बहराइच में आज से नवजात शिशु देखभाल सप्ताह शुरू

बहराइच।

जिले में नवजात शिशुओं की मृत्यु, विशेषकर जन्म के पहले सात दिनों में होने वाली नवजात मृत्यु को कम करने के उद्देश्य से 15 से 21 नवंबर तक नवजात शिशु देखभाल सप्ताह मनाया जाएगा। इस दौरान समय से पूर्व जन्मे और कम वजन वाले शिशुओं की विशेष देखभाल सुनिश्चित की जाएगी, साथ ही समुदाय को नवजात की सुरक्षित और वैज्ञानिक देखभाल से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी जाएँगी। इस संबंध में मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ संजय कुमार ने बताया कि प्रदेश में नवजात मृत्यु दर में सुधार दर्ज हुआ है। सैम्पल रजिस्ट्रेशन सिस्टम- 2023 के अनुसार, प्रदेश की नवजात मृत्यु दर 26 प्रति 1,000 जीवित जन्म रही, जो वर्ष 2022 में 27 थी। जिले में नवजात मृत्यु दर को घटाने के लिए संस्थान आधारित नवजात देखभाल और समुदाय आधारित नवजात देखभाल कार्यक्रम पूर्व से ही संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा

कि नवजात शिशु की देखभाल अत्यंत संवेदनशील होती है, इसलिए आवश्यक है सभी प्रसव अस्पताल में कराएं जाए और प्रसव के बाद माँ व शिशु को कम से कम 48 घंटे तक चिकित्सालय में ही रुकें। जन्म के तुरंत बाद शिशु को नहलाने के बजाय पोंछकर साफ कपड़े पहनाए और पहले घंटे में माँ का गाढ़ा पीला दूध अवश्य पिलाया जाए। छह महीने तक केवल माँ का दूध दिया जाए और शिशु को आवश्यक सभी टीके अवश्य लगाएं जाए। उन्होंने कहा कि समय से पहले जन्मे या कम वज़न वाले बच्चों के लिए कंगारू मदर केयर विधि एक बेहतर उपाय है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि नवजात को मसाज, घुट्टी, शहद या अन्य घरेलू पदार्थ देना नुकसानदायक है और इनसे पूरी तरह परहेज किया जाए। जिला स्वास्थ्य शिक्षा एवं सूचना अधिकारी बृजेश सिंह ने बताया कि नवजात शिशु देखभाल सप्ताह, समुदाय को सही जानकारी देने का एक प्रभावी माध्यम होगा। उन्होंने कहा कि जिले में आशा, एएनएम और स्वास्थ्य टीमें घर-घर जाकर परिवारों को यह समझाएंगी कि

21 नवंबर तक चलेगा अभियान, - समुदाय में बढ़ेगा जन्म के बाद देखभाल का संदेश शून्य नवजात मृत्यु के लक्ष्य की ओर बड़ा कदम

जन्म के तुरंत बाद साफ-सुथरा वातावरण, माँ का पहला दूध, कंगारू मदर केयर और शिशु की नियमित निगरानी, बीमारियों और जोखिमों से बचाव में सहायक होती हैं। उन्होंने कहा नवजात देखभाल केवल स्वास्थ्य विभाग की जिम्मेदारी नहीं होगी, बल्कि इसमें परिवार और समुदाय की सहभागिता भी आवश्यक रहेगी। जब परिवार जागरूक होंगे, तभी नवजात को सुरक्षित जीवन का मजबूत आधार मिलेगा।

देश मोदी के साथ था, है और आगे भी रहेगा-हरीश द्विवेदी

बस्ती(उप)

। बिहार विधानसभा चुनाव परिणाम पर प्रतिक्रिया देते हुए असम राज्य के प्रभारी एवं पूर्व सांसद हरीश द्विवेदी ने कहा कि बिहार की जनता ने विकास, सुशासन और राष्ट्रवाद के पक्ष में अपना बेहद स्पष्ट और निर्णायक जनादेश दिया है। श्री द्विवेदी ने कहा कि इस चुनाव में मुकाबला विश्वास और खोखले वादों के बीच था, और बिहार की जनता ने एक बार फिर विश्वास की राह चुनी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर जनता का भरोसा आज भी अडिग और अटल है। यही विश्वास देश को आगे बढ़ा रहा है और यही भरोसा विरोधियों की राजनीति को बार-बार बेनकाब करता है। तेजस्वी यादव पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव एक बार फिर 'रिजेक्टेड नेता' साबित हुए हैं। जनता झूठ और भ्रम की राजनीति को अब कतई स्वीकार करने वाली

नहीं है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में भी समाजवादी पार्टी के भविष्य का फैसला जनता ने आज ही कर दिया है। विकास, स्थिरता और सुशासन के आगे झूठ, नकारात्मकता और खोखले वादों की कोई जगह नहीं है। अपने बयान के अंत में श्री द्विवेदी ने कहा देश मोदी जी के साथ था, है और आगे भी रहेगा, क्योंकि भारत में हमेशा विश्वास ही जीतता है।

जून तक बढ़ाई जाये एसआईआर फार्म जमा करने की तिथि

मुरादाबाद।

इनवायरमेंट प्रोटेक्शन मूवमेंट मुरादाबाद की ओर से मुख्य निर्वाचन आयुक्त भारत निर्वाचन आयोग को सम्बोधित ज्ञापन एडीएम सिटी मुरादाबाद को सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से मतदाता सूची पुनरीक्षण के तहत चल रहे एसआईआर के फार्म बीएलओ के जमा करने तिथि असुविधा को देखते हुए 4 दिसम्बर से 30 जून 2026तक करनें की मांग की है। एसआईआर आनलाइन आवेदन की तकनीकी समस्या का समाधान व बीएलओ को उचित सुविधाएं दिलाने व सरकारी स्वयं सेवी संस्थाएं का सहयोग देने कि मांग की ज्ञापन प्रस्तुत करने वाले में सय्यद जुबैर अली, तनज़ीम शास्त्री, अभय कुमार सिंह एडवोकेट, अरशद परवेज़ एडवोकेट, आवरण अग्रवाल एडवोकेट, रोहित सिंह एडवोकेट तारिक आदि मौजूद रहे।

बिहार में प्रचंड जीत से भाजपाई उत्साहित, मनाया जश्न

मुरादाबाद। भारतीय जनता पार्टी महानगर के तत्वाधान में महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला के नेतृत्व में महानगर कार्यालय बुद्धि विहार पर बिहार प्रदेश में यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में मिली प्रचंड जीत की खुशी में ढोल नगाड़ों की थाप पर नाच गाकर खुशी मनाई इस प्रचण्ड जीत की सभी कार्यकर्ताओं ने एक दूसरे को बधाई एवं शुभकामनाएं दी एवं एक दूसरे को लड्डू खिलाकर खुशी मनाई। महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला जिला अध्यक्ष आकाश कुमार पाल एवं सभी ने ने पिछड़ा वर्ग आयोग उपाध्यक्ष सूर्य प्रकाश पाल का लड्डू खिलाकर इस प्रचण्ड जीत की बधाई दी एवं सभी कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं दी । पिछड़ा वर्ग आयोग उपाध्यक्ष सूर्य प्रकाश पाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बड़ी जीत हुई है। महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला ने कहा कि बिहार प्रदेश में इस प्रचण्ड जीत ने साबित कर दिया कि भाजपा यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में सर्व समाज को साथ लेकर कार्य कर रही है सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास का नारा पूर्णतया सफल हो रहा है । कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश सरकार में पिछड़ा वर्ग आयोग उपाध्यक्ष सूर्य प्रकाश पाल,महानगर अध्यक्ष गिरीश भंडूला,जिला अध्यक्ष आकाश कुमार पाल, क्षेत्रीय मीडिया सहप्रभारी निमित जयसवाल,महानगर मीडिया प्रभारी राजीव गुप्ता, दिनेश

शीर्षवाल, नवदीप टंडन,विशाल त्यागी, हेमराज सैनी, राहुल शर्मा, सुनीता शर्मा,शशी किरण, अभिषेक चौबे,विशाल रस्तौगी, विपिन प्रजापति,सोमपाल प्रजापति, मनमोहन सैनी, किशन लाल जाटव,दीक्षांत चौधरी अश्विनी शर्मा सौरभ सक्सैना हरिओम सैनी विशाल कुमार आदि शामिल रहे।

रानी लक्ष्मीबाई जयंती पर विदुषी महिला का होगा सम्मान

मुरादाबाद। रानी लक्ष्मी बाई जयंती के उपलक्ष में कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु एक बैठक दिव्य सरस्वती बालिका इंटर कॉलेज लाइन पार मुरादाबाद में की गई रानी लक्ष्मीबाई जयंती पर एक विदुषी महिला को सम्मानित भी किया जाएगा। संयोजन समिति की बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि भविष्य में देश हित में सभी धर्म के छात्राओं को रानी लक्ष्मी बाई जयंती के कृतित्व और व्यक्तित्व के विषय में विस्तार से बताया जाए राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. प्रदीप शर्मा ने कहा कि रानी लक्ष्मीबाई ने अल्प आयु में देश हित में अंग्रेजों से लड़ाई लड़ते हुए अपना देश भक्ति एवं त्याग बलिदान और अपने देश के सामाज को ध्यान में रखते हुए अंग्रेजों से लोहा लिया। बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ प्रदीप शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष विमलेंद्र विमल, महानगर अध्यक्ष अनिल कुमार शर्मा, डीपी सिंह आदि उपस्थित रहे।

आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण में न बरतें लापरवाही : डीएम

मुरादाबाद।

जिलाधिकारी अनुज सिंह की अध्यक्षता में विकास भवन सभागार में सीएम डैशबोर्ड के अनुसार सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति को लेकर मासिक समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक के दौरान जिलाधिकारी और मुख्य विकास अधिकारी ने आइजीआरएस, फैमली आईडी, उद्यान, आईसीडीएस, कन्या सुमंगला योजना, छात्रवृत्ति योजना, दुग्ध विकास, पशुपालन, औद्योगिक विकास, विद्युत, पीएम सूर्य घर मुक्त बिजली योजना, प्रोजेक्ट अलंकार और ऑपरेशन कायाकल्प सहित विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में विभागवार समीक्षा की तथा अधिकारियों को सक्रियता के साथ योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर जरूरी निर्देश दिए। आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को जिलाधिकारी ने प्रतिकूल प्रविष्टि जारी करने के निर्देश अपर जिलाधिकारी वित्त/प्रभारी

अधिकारी आईजीआरएस को दिए। उन्होंने कहा कि जिन अधिकारियों की आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायतों के निस्तारण के सापेक्ष संतुष्टि 80 प्रतिशत से कम है उन सभी अधिकारियों को प्रतिकूल प्रविष्टि जारी की जाए साथ ही उनके विरुद्ध कार्रवाई के लिए शासन को पत्र भेजा जाएगा।उन्होंने कहा कि अधिकारियों की लापरवाही, निस्तारण की गुणवत्ता का ध्यान न रखने तथा शिकायतकर्ता से संपर्क न करने की वजह से जिले की रैंक प्रभावित हो रही है। जनपद में संचालित गौशालाओं में ठंड के दौरान सभी व्यवस्थाओं को दुरुस्त बनाए रखने के संबंध में उन्होंने मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक गौशाला में बने शेड ढके होने चाहिए ताकि गौवंश को ठंड से बचाव में मदद मिले। उन्होंने नोडल अधिकारियों के भ्रमण की स्थिति के बारे में भी जानकारी प्राप्त की और कहा कि पशुओं के इलाज में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए तथा नोडल अधिकारियों के भ्रमण के दौरान पाई गई कमियों को दुरुस्त करने में भी सक्रियता बरती जाए।गौशालाओं में सीसीटीवी कैमरे स्थापित करने की प्रक्रिया में तेजी

जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति को लेकर मासिक समीक्षा बैठक

लाने के निर्देश दिए तथा कहा कि सीसीटीवी कैमरे संचालित होने के उपरांत गौशालाओं की स्थिति की जिले स्तर से सीधे तौर पर मॉनिटरिंग संभव हो सकेगी।उन्होंने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि विद्यालयों में बाल मैत्री शौचालयों के निर्माण कार्य को भी गति दी जाए साथ ही ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत निर्धारित पैरामीटर के अनुरूप विद्यालयों के संतृप्तिकरण को लेकर भी गंभीरता बरतने के निर्देश दिए।इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ममता मालवीय, अपर जिलाधिकारी प्रशासन संगीता गौतम, अपर जिलाधिकारी नगर 'योति सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी गण मौजूद रहे।

ब्रह्माकुमारीज गोरखपुर में आयोजित हुआ सहज योगी जीवन विषयक कार्यक्रम

गोरखपुर। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय, गोरखपुर के तत्वाधान में आयोजित सहज योगी जीवन विषयक कार्यक्रम का आयोजन मोहद्दीपुर स्थिति संस्था की मुख्य शाखा में किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में नई दिल्ली से पधारे अन्तर्राष्ट्रीय ख्याती प्राप्त वक्ता एवं जी.बी. पंत अस्पताल, नई दिल्ली के हृदय रोग विभाग के प्रोफेसर बी. के. डॉ मोहित गुप्ता ने सभी उपस्थित श्रोताओं से सहज राजयोग के विषय पर वृस्तीत जानकारी अपने जीवन के निज अनुभवों के उदाहरण के साथ, सरल भाषा में साझा किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्जवलन कर एवं ईश्वरीय स्मृति के गीतों के साथ हुआ। ब्रह्माकुमारीज मोहद्दीपुर की प्रभारी बी. के. पुष्पा दीदी सिसवां बाजार की

प्रभार बी. के. मनोज दीदी शाहपुर प्रभारी बी. के. पारूल दीदी एवं अन्य बहनों ने मुख्य वक्ता एवं मुख्य अतिथि का पुष्प गुच्छ प्रदान कर स्वागत किया। कार्यक्रम में बी.के. डॉ मोहित गुप्ता ने सहज राजयोग से सहज योगी जीवन जीने की कला सिखाते हुए सभी श्रोताओं को बताया की कैसे मन की शक्ति के द्वारा जीवन में कठिन से कठिन परिस्थितियों को सहज ही पार किया जा सकता है। जटिल से जटिल बीमारियों को उचित चिकित्सा के साथ मन की शक्ति के द्वारा, राजयोग के अभ्यास एवं प्रयोग से ठीक किया जा सकता है। डॉ मोहित ने अपने जीवन के उदाहरणों से सभी श्रोताओं को प्रेरित किया एवं सकारात्मक विचार तथा राजयोग के अभ्यास के सकारात्मक प्रभाव को सभी के मध्य प्रस्तुत किया। कुलपति डॉ पूनम टण्डन ने भी इस कार्यक्रम के आयोजन हेतु ब्रह्माकुमारीज गोरखपुर को धन्यवाद ज्ञापित किया तथा ब्रह्माकुमारीज संस्था द्वारा समाज में दिये जा रहे नैतिक शिक्षा एवं मानव मूल्यों के कार्यों की सराहना की।

बाल दिवस पर रेल विभाग ने कराईं प्रतियोगिताएं, बच्चों को बांटे उपहार

मुरादाबाद।

बाल दिवस के उपलक्ष्य में उत्तर रेलवे महिला कल्याण संगठन मुरादाबाद मंडल की अध्यक्षा सुमन मौर्य की उपस्थिति में रेलवे ऑफिसर्स क्लब में रंगारंग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। बाल विद्या मंदिर, निकट रेलवे स्टेडियम ,मुरादाबाद के छोटे-छोटे ब'चों द्वारा कार्यक्रम में मंच से अनेक सांस्कृतिक एवं देश भक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रमों को प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। उत्तर रेलवे महिला कल्याण संगठन मुरादाबाद मंडल की अध्यक्षा सुमन मौर्य तथा उत्तर रेलवे महिला कल्याण संगठन,मुरादाबाद मंडल की उपस्थित अन्य पदाधिकारी सुशीला गौतम, मौनिका एवं साक्षी गुप्ता, स्कूल इंचार्ज बाल विद्या मंदिर स्कूल, इन्द्रजीत कौर, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक मंडल रेल चिकित्सालय सहित बाल विद्या मंदिर स्कूल स्टाफ ने तालियों के साथ ब'चों की प्रस्तुतियों को सराहा। उत्तर रेलवे महिला कल्याण सगठन, द्वारा पूर्व में स्कूल ब'चों के लिए मुरादाबाद ,बरेली ,शाहजहांपुर ,चंदौसी स्टेशनों पर स्कूलों में आयोजित की गयीं निबंध प्रतियोगिता ,ड्राइंग /पेंटिंग प्रतियोगिता सहित अन्य प्रतियोगिताओं में विजयी ब'चों को आज बाल दिवस के अवसर पर उत्तर रेलवे महिला कल्याण संगठन, मुरादाबाद मंडल की अध्यक्षा सुमन मौर्य द्वारा पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। संगठन द्वारा ब'चों को स्कूल ड्रेसएवं गिफ्ट पैक का वितरण भी किया गया। उत्तर रेलवे स्काउट्स एवं गाइड्स, मुरादाबाद मंडल की टीम कार्यक्रम में उपस्थिति रही।

दिल्ली ब्लास्ट और व्हाइट कॉलर टेरर मॉड्यूल: अभी तक क्या कुछ पता चला?

नई दिल्ली । फरीदाबाद का एक यूनिवर्सिटी, 2900 किलोग्राम विस्फोटक की बरामदगी और कुछ ही घंटों बाद लाल किले के पास एक शक्तिशाली कार विस्फोट में 13 लोगों की मौत. 10 नवंबर के बाद से तीन दिनों में, आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है और कई लोगों को हिरासत में लिया गया है. पूरे घटनाक्रम के बीच जानकारी कभी-कभी भ्रामक और कभी-कभी विरोधाभासी रूप में सामने आती है. दक्षिण कश्मीर के तीन डॉक्टरों के इर्द-गिर्द केंद्रित एक आतंकी साजिश का पता लगाने के लिए एजेंसियां कश्मीर, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश से कड़ियां जोड़ रही है. अधिकारियों ने जो बताया है, उसके आधार पर अब तक हम जो जानते है, वह इस प्रकार है- जैश-ए-मोहम्मद द्वारा रची गई अंतरराज्यीय 'सफेदपोश' टेरर मॉड्यूल के नाटकीय पात्रों में सबसे अहम नाम डॉ. मुजम्मिल अहमद गनई उर्फ मुसैब का है. 10 नवंबर की सुबह पुलिस ने बताया कि फरीदाबाद के अल फलाह यूनिवर्सिटी में गनई के किराए के घर से 360 किलोग्राम अमोनियम नाइट्रेट बरामद हुआ है.

वह इसी यूनिवर्सिटी में काम करता था. डॉ. मुजम्मिल दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले के कोइल गांव का रहने वाला है. इसके तुरंत बाद, विभिन्न राज्यों की पुलिस के साथ इस अभियान का को-ऑर्डिनेशन कर रही जम्मू-कश्मीर पुलिस ने कहा कि यूनिवर्सिटी और उसके आसपास से 2,900 किलो विस्फोटक बरामद हुआ है और एक 'सफेदपोश' टेरर मॉड्यूल का भंडाफोड़ हुआ है. दक्षिण कश्मीर के काजीगुंड का रहने वाला 28 वर्षीय उमर 10 नवंबर की शाम को हुए विस्फोट वाली कार चला रहा था. उमर की मां के डीएनए नमूनों का घटनास्थल पर मिले अंगों से मिलान होने के बाद उसकी संलिप्तता की पुष्टि हुई. उमर भी अल फलाह में काम करता था. माना जाता है कि वह सबसे ज्यादा कट्टरपंथी था. पुलिस अल फलाह यूनिवर्सिटी से जुड़े और काजीगुंड के मुजफ्फर की भी तलाश कर रही है. गिरफ्तार किए गए लोगों से पूछताछ के बाद वह जांच के घेरे में आया. गिरफ्तार किए गए लोगों ने जांचकर्ताओं को बताया कि उमर, गनई और मुजफ्फर 2021 में 18 दिनों के लिए तुर्किये गए थे. मुजफ्फर अगस्त में भारत से निकला था और माना जा रहा है कि वह अफगानिस्तान में है. पुलिस ने उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी करने के लिए इंटरपोल से संपर्क किया है. उसने कहा कि 'सफेदपोश' आतंकी मॉड्यूल इन तीनों द्वारा चलाया जा रहा था और वे पाकिस्तान में अपने आकाओं से बात करने के लिए 'टेलीग्राम' मंच का इस्तेमाल करते थे. लखनऊ की महिला डॉक्टर शाहीन तीनों डॉक्टरों द्वारा रची जा रही साजिश की जानकारी रखती थी. गिरफ्तार किए गए आठ लोगों में से सिर्फ शाहीन ही कश्मीरी नहीं है. वह छह दिसंबर को बाबरी मस्जिद विध्वंस की बरसी से पहले, योजनाबद्ध तरीके से एकत्र की जा रही रसद की जानकारी रखती थी. शाहीन ने जांचकर्ताओं को बताया कि तीनों डॉक्टरों ने नेटवर्क का विस्तार करने में मदद की और अन्य लोगों को भी इसमें शामिल किया. इनमें हरियाणा का मौलवी इश्तियाक भी शामिल था, जो जम्मू-कश्मीर पुलिस की हिरासत में है और अल फलाह में उसके किराए के परिसर का इस्तेमाल भी विस्फोटक रखने के लिए किया गया था.

बिहार में एनडीए की सुनामी! विपक्ष भड़का—चुनाव नहीं, साज़िश हुई है!

नई दिल्ली ।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की गिनती जैसे-जैसे आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे राजनीतिक गर्माहट और बढ़ती जा रही है। एनडीए दो-तिहाई बहुमत से काफी आगे निकल चुका है, और इसी के साथ बयानबाजी के तीर भी हवा में तेजी से उड़ने लगे हैं। भाजपा ने राहुल गांधी व विपक्ष पर करारा हमला बोला, तो कांग्रेस, आप और सपा ने सीधे चुनाव आयोग पर सवाल उठाते हुए चुनावी प्रक्रिया को कटघरे में खड़ा कर दिया।

राहुल गांधी—हार की अटूट परंपरा का प्रतीक-भाजपा

नतीजों में भारी बढ़त देखते हुए भाजपा नेताओं ने राहुल गांधी पर तीखा कटाक्ष किया। भाजपा नेता प्रदीप भंडारी ने तंज कसते हुए कहा- राहुल गांधी! चुनाव हो और हार न लगे?

ऐसा तो हो ही नहीं सकता। अगर लगातार पराजय के अवॉर्ड होते, तो वे हर बार फर्स्ट आते। पार्टी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने भी चुटकी ली- राहुल गांधी हर चुनाव में नंबर-1-बिना चुनौती, बिना मुकाबले! 95 हार और सिलसिला जारी है!

चुनाव आयोग जनता के खिलाफ काम कर रहा- कांग्रेस

कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने शुरुआती रुझानों को ही संदिग्ध बताते हुए आरोप लगाया कि चुनाव आयोग की भूमिका सवालों के घेरे में है। उनका कहना था कि यह लड़ाई सिर्फ पार्टियों के बीच नहीं, बल्कि मुख्य चुनाव आयुक्त बनाम बिहार की जनता बन चुकी है।

चुनाव पहले ही अपहरण कर लिया गया था- आप

आप सांसद संजय सिंह ने आरोप लगाया कि चुनावी प्रक्रिया को पहले ही हाइजैक कर लिया गया था। उन्होंने कहा- 80 लाख नाम लिस्ट से गायब, 5 लाख डुप्लिकेट और 1 लाख फर्जी वोटर ऐसे नतीजों का मतलब क्या है? उन्होंने तीखे स्वर में कहा कि ''बिहार की जीत एनडीए, मोदी और चुनाव आयोग की मिलीभगत का नतीजा है।''

जनता के जनादेश को स्वीकार करना होगा, पर चोरी भी हुई - सिद्धारमैया

नई दिल्ली । बिहार विधानसभा चुनाव के रुझानों में एनडीए की एकतरफा और निर्णायक बढ़त पर कांग्रेस पार्टी ने एक बार फिर वोट चोरी का गंभीर आरोप लगाया है। कर्नाटक के सीएम सिद्धारमैया ने शुक्रवार को दावा किया कि बिहार में भी वोट चोरी हुई है, जिससे राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है। राज्य में मतगणना जारी है और एनडीए की बड़ी जीत लगभग तय मानी जा रही है।

इसी बीच पत्रकारों से बात करते हुए सिद्धारमैया ने कांग्रेस- आरजेडी के महागठबंधन की हार के कारणों पर आश्चर्य व्यक्त किया। सिद्धारमैया ने एक तरफ जहां जनता के जनादेश को स्वीकार करने की बात कही, वहीं दूसरी ओर हार के कारणों पर अनभिज्ञता भी जताई। सिद्धारमैया ने कहा- हमें जनता के जनादेश को स्वीकार करना होगा। मुझे नहीं पता कि हार का कारण क्या रहा। मैं बिहार नहीं गया था। मुझे यह नहीं पता कि किसने हमें वोट नहीं दिया और एनडीए को इतनी बड़ी बहुमत क्यों मिली। मैं इसकी जानकारी लेने की कोशिश करूंगा। जब उनसे ओबीसी वोटों के निर्णायक होने के बावजूद कांग्रेस को समर्थन न मिलने पर सवाल किया गया, तो उन्होंने पलटवार करते हुए पूछा, मुझे नहीं पता। नीतीश कुमार कौन हैं? क्या वे ओबीसी नहीं हैं? सिद्धारमैया ने यह टिप्पणी नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जेडीयू और एनडीए की जीत पर सवाल उठाते हुए की। सबसे गंभीर टिप्पणी तब आई, जब कांग्रेस और उसके नेता राहुल गांधी द्वारा पहले लगाए गए वोट चोरी के आरोपों पर उनसे सवाल किया गया। सिद्धारमैया ने सीधा आरोप लगाते हुए कहा उन्होंने वहां (बिहार) भी चोरी की है। हालांकि उन्होंने अपने इस सनसनीखेज दावे के समर्थन में कोई विस्तृत जानकारी या सबूत पेश नहीं किए। सिद्धारमैया का यह बयान ऐसे समय में आया है जब महागठबंधन को बड़ा झटका लगा है और कांग्रेस की चुनावी प्रक्रिया पर सवाल उठाने की रणनीति पर बहस छिड़ गई है। सिद्धारमैया ने अंत में कहा कि वे जल्द ही हार के कारणों का गहराई से विश्लेषण करेंगे।

'बीजेपी दल नहीं छल हैं'

लखनऊ। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी पर तीखा हमला बोला और बिहार चुनाव में महागठबंधन की करारी हार के रुझानों के लिए विशेष गहन समीक्षा को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने एसआईआर को एक चुनावी साजिश करार देते हुए कहा कि बिहार के बाद पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश या किसी भी अन्य राज्य में यह संभव नहीं होगा। यादव ने एक्स पर लिखा कि बिहार में जो खेल एसआईआर ने किया है वो प. बंगाल, तमिलनाडु, यूपी और बाकी जगह पर अब नहीं हो पायेगा क्योंकि इस चुनावी साजिश का अब भंडाफोड़ हो चुका है। अब आगे हम ये खेल, इनको नहीं खेलने देंगे। सीसीटीवी की तरह हमारा 'पीपीटीवी' मतलब 'पीडीए प्रहरी' चौकन्ना रहकर भाजपाई मंसूबों को नाकाम करेगा। भाजपा दल नहीं छल है।

महागठबंधन की हार पर अखिलेश का बड़ा बयान, एसआईआर ने जो खेल किया, वो यूपी में नहीं हो पाएगा

बिहार चुनाव के नतीजे चौंकाने वाले नहीं; संजय राउत ने ईसी और बीजेपी पर लगाया सांठगांठ का आरोप

मुंबई। बिहार चुनाव के रुझानों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को बड़ी जीत मिलती नजर आ रही है। इस बीच, शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के नेता संजय राउत ने शुक्रवार को कहा कि चुनाव नतीजे चौंकाने वाले नहीं हैं। उन्होंने दावा किया कि चुनाव आयोग और बीजेपी ने मिलकर अपना राष्ट्रीय एजेंडा पूरा किया है। राउत ने यह भी कहा कि बिहार के ये नतीजे 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की तरह ही हैं, जहां सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन (भाजपा, शिवसेना और एनसीपी) को बड़ी जीत मिली थी। उन्होंने लिखा, बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों पर हैरान होने की जरूरत नहीं है। चुनाव आयोग और भाजपा जिस तरह हाथ मिलाकर राष्ट्रीय एजेंडा चला रहे हैं, ऐसे में अलग नतीजे की उम्मीद ही बेकार थी। यह बिल्कुल महाराष्ट्र जैसा पैटर्न है। राउत ने आगे आरोप लगाया कि जो गठबंधन सत्ता में आने की उम्मीद कर रहा था, उसे 50 सीटों से भी नीचे धकेल दिया गया है।

श्रावस्ती में संदिग्ध हालात में घर में मृत मिला पूरा परिवार, पांच मौतों से हड़कंप

श्रावस्ती। श्रावस्ती जिले के इकौना क्षेत्र के ग्राम पंचायत कैलाशपुर में शुक्रवार की सुबह पूरा परिवार मृत अवस्था में मिला। दंपती के साथ तीन बच्चों का शव देख परिजनों में हड़कंप मच गया। घटना के बाद से गांव में सनसनी फैल गई है। थाना प्रभारी अखिलेश पांडेय, सीओ भारत पासवान मौके पर जांच में जुटे हैं। इकौना थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत कैलासपुर के मजरा लियाकतपुरवा में पांच शव मिलने के बाद से हड़कंप है। मृतक युवक सिरोज अली की मां ने बताया कि सुबह काफी देर तक दरवाजा नहीं खुला तो उन्हें चिंता होने लगी। कई बार उन्होंने दरवाजा पीटा लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। कुछ देर इंतजार करने के बाद छोटी बहु व बेटी रुबिया को बुलाकर देखने को कहा। बेटी रुबिया ने जब खिड़की से देखा तो पांचों लोग बिस्तर पर पड़े थे। मां ने बताया कि उनका बेटा सिरोज अली, उनकी पत्नी शहनाज के बीच पहले झगड़ा होता था, लेकिन अब झगड़ा नहीं होता था। मृतकों में एक डेढ़ साल के बेटे सहित दो बेटियां शामिल हैं।

इनकी मौत हुई - रोजअली (35) पुत्र शमसुल हक, शहनाज (30) पत्नी रोज अली, तबस्सुम (06) पुत्री रोज अली, गुलनाज (04) पुत्री रोजअली और मोहिन (02) पुत्र रोज अली की मौत हुई है।

घटना पर जिले के एसपी राहुल भाटी का कहना है कि प्रथमदृष्टया पति द्वारा पत्नी और बच्चों की गला घोंट कर हत्या और खुद फंदे से लटक कर आत्महत्या करने का मामला लग रहा है। जांच में बच्चों के सांस न ले पाने से मौत की बात सामने आई है। जो गला दबाने या तकिए से मुंह दबाने से होता है। परिजनों के मुताबिक पत्नी से मायके जाने को लेकर विवाद हुआ था। कई अन्य पहलुओं की भी की जा रही जांच। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की स्थिति स्पष्ट होगी।

लाल किला ब्लास्ट : पुलिस ने आतंकी वारदात बताते हुए यूएपीए, विस्फोटक अधिनियम में एफआईआर

नई दिल्ली । 10 नवंबर, 2025 को दिल्ली के लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास एक ट्रैफिक सिग्नल पर एक तेज विस्फोट हुआ जिसमें एक धीमी गति से चलती कार में विस्फोट हो गया, जिसमें कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। विस्फोट से आस-पास के वाहनों और ढांचों को भी काफी नुकसान पहुंचा।

दिल्ली पुलिस ने अब इस घटना के सिलसिले में एक प्राथमिकी दर्ज की है, जिसमें गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए), विस्फोटक अधिनियम और भारतीय दंड संहिता की कई धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। कोतवाली पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर में विस्फोट को बम विस्फोट बताया गया है और इसे कानून की कई धाराओं के तहत दर्ज किया गया है। जिन प्रमुख कानूनी प्रावधानों का इस्तेमाल किया गया है, उनमें शामिल हैं गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए)- यूएपीए की धाराएं 16 और 18, जो आतंकवादी कृत्यों और ऐसे कृत्यों की साजिश रचने के लिए दंड से संबंधित हैं।

विस्फोटक पदार्थ अधिनियम- धारा 3 और 4 के तहत आरोप, जो क्रमशः जीवन को खतरे में डालने वाले विस्फोट और विस्फोट करने के प्रयास से संबंधित हैं।

भारतीय दंड संहिता (आईपीसी)- हत्या के लिए धारा 103(1), हत्या के प्रयास के लिए धारा 109(1), और वरिष्ठ अधिकारी पर हमले के लिए उकसाने के लिए धारा 161(2)।

बिहार चुनाव के रिजल्ट पर बोले पप्पू यादव - यह जनादेश है और हमें इसे मानना ही पड़ेगा

बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद जन अधिकार पार्टी के प्रमुख और पूर्व सांसद पप्पू यादव ने अपना पहला बयान दिया है। चुनाव में अपनी पार्टी और गठबंधन के निराशाजनक प्रदर्शन के बीच पप्पू यादव ने संयम दिखाते हुए जनता के फैसले को स्वीकार करने की बात कही है। टिप्पणी करते हुए पप्पू यादव ने कहा है कि, चुनाव के परिणाम सामने आ चुके हैं। हमें इसे स्वीकार करना होगा, यह जनता का जनादेश है। पप्पू यादव का यह बयान महागठबंधन की हार की स्वीकारोक्ति के रूप में देखा जा रहा है। बिहार के रुझानों पर आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू का भी बड़ा बयान सामने आया है।

आप ने तरनतारन में लहराया जीत का परचम, नंबर 2 पर शिअद

तरनतारन । आम आदमी पार्टी (आप) की एक महत्वपूर्ण राजनीतिक जीत में तरनतारन विधानसभा उपचुनाव में पार्टी के उम्मीदवार हरमीत सिंह संधू आज विजयी हुए, जिससे पंजाब में आप का दबदबा और मजबूत हो गया। इस क्षेत्र से तीन बार विधायक रह चुके संधू ने कई राजनीतिक दलों के बीच कड़ी टक्कर के बाद यह सीट जीती। 11 नवंबर को हुआ यह उपचुनाव आप के लिए बेहद अहम था, क्योंकि यह पंजाब में अपनी पकड़ फिर से मजबूत करने का एक मौका था। आप विधायक डॉ. कश्मीर सिंह सोहल के निधन के बाद यह सीट खाली हो गई थी। 60.95फीसदी मतदान के साथ, यह चुनाव बेहद कड़ा था, जिसमें संधू का मुकाबला कांग्रेस के करणबीर सिंह बुर्ज, शिरोमणि अकाली दल (शिअद) की सुखविंदर कौर और भाजपा के हरजीत सिंह संधू से था। कड़े मुकाबले के बावजूद, मतगणना के शुरुआती रुझानों से पता चला कि आप को भारी बढ़त हासिल है। अंतिम परिणाम घोषित होने तक, संधू को 68,235 वोट मिल चुके थे, जो उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी, कांग्रेस के करणबीर सिंह बुर्ज, जिन्हें 22,473 वोट मिले, पर एक निर्णायक जीत थी। शिअद की सुखविंदर कौर को 7,158 वोट मिले, जबकि भाजपा के हरजीत सिंह संधू को केवल 3,042 वोट मिले। पिद्दी स्थित माई भागो इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ नर्सिंग में आज सुबह चुनाव अधिकारियों की कड़ी निगरानी में मतगणना प्रक्रिया शुरू हुई। क्षेत्र की संवेदनशील प्रकृति को देखते हुए कड़े सुरक्षा उपाय किए गए थे। डाक मतपत्रों की गिनती के लिए सात टेबल लगाई गई थीं, और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक टेबल पर प्रशिक्षित कर्मचारियों की निगरानी थी।

यूपी कैबिनेट की बैठक में दिल्ली आतंकी वारदात के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को यूपी कैबिनेट की बैठक लोक भवन में सम्पन्न हुई। इस बैठक में दिल्ली में लाल किला मेट्रो स्टेशन के पास आतंकी हमले के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित किया गया। इसके साथ ही जनहानि पर शोक व्यक्त किया गया। प्रदेश कैबिनेट ने दिल्ली में हाल ही में हुई आतंकी घटना की कड़ी निंदा की है। बैठक में कहा गया कि यह घटना देश की शांति और सुरक्षा पर हमला है। मुख्यमंत्री और कैबिनेट ने हमले में मारे गए और घायल हुए लोगों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को हुई उत्तर प्रदेश कैबिनेट की बैठक में भारतीय महिला क्रिकेट टीम को वनडे विश्वकप में मिली ऐतिहासिक जीत पर बधाई दी गई। बैठक में टीम के जज्बे, अनुशासन और शानदार प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा गया कि खिलाड़ियों ने देश का गौरव बढ़ाया है। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि यह जीत न केवल भारतीय क्रिकेट के लिए गर्व का क्षण है बल्कि देश की युवा बेटियों के लिए प्रेरणा का भी स्रोत है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शुक्रवार को लोक भवन में कैबिनेट की बैठक में 15 से अधिक प्रस्ताव रखे गए हैं। इनमें एक प्रस्ताव वृद्धावस्था पेंशन में बदलाव का संभावित है। पेंशन प्रक्रिया को आसान बनाया जाएगा। प्रदेश में औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए प्लेज योजना में संशोधन का प्रस्ताव भी कैबिनेट के समक्ष रखा गया। अशोक लीलैंड को लखनऊ में प्लांट लगाने के लिए अधिक भूमि देने संबंधी प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई है। अभी उसे 70 एकड़ भूमि दी गई है। गन्ना मूल्य बढ़ाने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति मिल सकती है। पिछले दिनों मुख्यमंत्री ने गन्ना मूल्य 30 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाने की घोषणा की थी। अब इसका प्रस्ताव कैबिनेट बैठक में आया है। इसके साथ ही दस वर्ष तक की अवधि के किरायेदारी पट्टे पर स्टाम्प ड्यूटी और रजिस्ट्रेशन में छूट का प्रस्ताव है। खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय के गठन का प्रस्ताव भी आया है।

रिकॉर्ड जीत के साथ बिहार में एनडीए सरकार

पटना।

बिहार की धरती पर लोकतंत्र का महायुद्ध समाप्त हो चुका है. 6 और 11 नवंबर को हुए दो चरणों वाले विधानसभा चुनावों में 67.13फीसदी रिकॉर्ड मतदान के साथ 24.3 करोड़ की आबादी वाले इस राज्य ने एक बार फिर अपनी राजनीतिक परिपक्वता दिखाई. आज, 14 नवंबर 2025 को वोटों की गिनती के साथ सस्पेंस खत्म होने को है और एनडीए की सुनामी ने सबको चौंका दिया है. मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में एनडीए बहुमत के आंकड़े को आसानी से पार करता दिख रहा है. जहां JD(U) अकेले 83 सीटों पर आगे चल रही है, बीजेपी को 93, चिराग पासवान की LJP(RV) के 19 और जीतन राम मांझी की HAM को 5 सीटें मिल रही हैं. कुल मिलाकर एनडीए 200+ सीटों पर लीड कर रही है, जो 122 के बहुमत से कहीं ज्यादा है. नीतीश का पांचवां कार्यकाल लगभग तय माना जा रहा है. दूसरी ओर, महागठबंधन (RJD-Congress-Left) की उम्मीदें धूल चाट रही हैं. तेजस्वी यादव की आरजेडी सबसे बड़ी पार्टी बनकर भी सिर्फ 26 सीटों पर सिमटती दिख रही है, जबकि कांग्रेस महज 3 पर जीतती नजर आ रही. यानी महागठबंधन कुल 31 सीटों तक सिमटता दिख रहा है. इसके अलावा प्रशांत किशोर की जन सुराज और मुकेश सहनी की वीआईपी खाता भी नहीं खोल सकी है, साथ ही AIMIM जैसी पार्टियां भी लगभग गायब नजर आ रही हैं. मौजूदा रुझानों में, नीतीश कुमार के नेतृत्व वाले एनडीए ने कुल मिलाकर 199 सीटें हासिल की हैं, जिसमें भाजपा 90 , जदयू 81, लोजपा 21, हम 3 और आरएलएम 4 सीटों पर आगे चल रही है, जैसा कि चुनाव आयोग के दोपहर 12:52 बजे के आंकड़ों से पता चलता है। चुनाव आयोग के आंकड़ों के अनुसार, राजद 29 सीटों पर, कांग्रेस 4, भाकपा (माले) 5 सीटों पर आगे चल रही है, जबकि माकपा 1 और वीआईपी 0-0 सीटों पर आगे चल रही है, जिससे कुल सीटों की संख्या 41 हो गई है। इसके अलावा, बसपा एक सीट पर और एआईएमआईएम पांच सीटों पर आगे चल रही है।

- एनडीए को 202 सीटें, तोड़ा 2010 का रिकॉर्ड..
- आरजेडी फेल, जनसुराज-वीआईपी 0 पर आउट
- महागठबंधन 34 पर सिमटी, कांग्रेस सिर्फ 1 सीट पर आगे

लगभग दो दशकों से राज्य पर शासन कर रहे नीतीश कुमार के लिए, इस चुनाव को व्यापक रूप से राजनीतिक सहनशक्ति और जनता के विश्वास, दोनों की परीक्षा के रूप में देखा जा रहा है। बिहार को अक्सर जंगल राज कहे जाने वाले साये से बाहर निकालने के लिए कभी सुशासन बाबू कहे जाने वाले मुख्यमंत्री को हाल के वर्षों में मतदाताओं की थकान और अपने बदलते राजनीतिक समीकरणों पर सवालों का सामना करना पड़ा है। इसके बावजूद, मौजूदा रुझान जमीनी स्तर पर एक उल्लेखनीय बदलाव दर्शाते हैं, जो दर्शाता है कि मतदाता एक बार फिर उनके शासन मॉडल में विश्वास जता रहे हैं। एक आत्मविश्वास से भरे, समन्वित भाजपा-जद(यू) गठबंधन की वापसी ने इस बार चुनावी रणभूमि को काफी हद तक नया रूप दिया है। पूरे चुनाव प्रचार के दौरान प्रधानमंत्री मोदी के नीतीश कुमार के साथ मजबूती से खड़े रहने से, गठबंधन ने एक एकजुट और पुनर्जीवित मोर्चा पेश किया, जिसमें कल्याणकारी योजनाओं, बुनियादी ढांचे के विस्तार, सामाजिक योजनाओं और प्रशासनिक स्थिरता पर जोर दिया गया।